CBSE CLASS X

Hindi Course B (085)

QUESTION PAPER

From previous CBSE Board Exam questions

Code: 2WTI2F **Questions: 17** **Maximum Marks: 52** **Generated: 2026-06-15 13:05**

SELECTIONS USED

Source	Previous-year board
Subject	Hindi
Lessons	फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले
Year	2022-2026
Questions selected	17

Composition — Types: 10 Short · 5 reading_comprehension · 2 MCQ

Q1. **[1]**

गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित उत्तर वाले विकल्प का चयन कर लिखिए : 'व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती, उसे आगे बढ़ने का संदेश देती है ।' – पंक्ति का भाव है –

A जीवन की प्रत्येक घटना किसी उद्देश्य को लेकर घटित होती है ।
B सुख-दुख का सम्मिश्रण ही जीवन का आधार है ।
C विपरीत परिस्थितियाँ मनुष्य को सक्षम बनाने में सहायक हैं ।
D विपरीत परिस्थितियाँ मनुष्य को सुखों की ओर अग्रसर करती हैं ।

Previously asked in: 2024 4/3/1 Q10 (i)

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3.2 मानवीय करुणा | 12.4 कहानी का संदेश

Q2. **[2]**

'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर नूह के मुद्दत तक रोते रहने का कारण स्पष्ट कीजिए। इससे उनके चरित्र की किस विशेषता का पता चलता है ?

Previously asked in: 2025 4/1/1 Q8 (घ)

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3 सामाजिक संवेदना | 12.3.2 मानवीय करुणा | 12.4 कहानी का संदेश

Q3.

गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर शेख अयाज़ के पिता द्वारा भोजन छोड़कर उठने का कारण था :

(a) भोजन का अच्छा नहीं लगना
(b) पेट का भर जाना
(c) आवश्यक काम का याद आ जाना
(d) बेघर जीव को उसके घर पहुँचाना

Previously asked in: 2023 4/5/1 Q10 (i)

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3.2 मानवीय करुणा

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q4. **[3]**

बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किए गए मानवीय क्रियाकलापों ने प्रकृति को नकारात्मक रूप में प्रभावित कर उसे असंतुलित किया है । प्रकृति के इस असंतुलन का मानवीय जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा है ? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठे के संदर्भ में लिखिए ।

Previously asked in: 2023 4/6/1 Q11 (क)

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3 सामाजिक संवेदना | 12.3.1 समाज में बदलती संवेदनाएँ | 12.3.2 मानवीय करुणा | 12.4 कहानी का संदेश

Q5. **[3]**

'अब कहाँ दूसरों के दु:ख से दु:खी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक की माँ द्वारा उन्हें समय-समय पर क्या निर्देश दिए जाते थे ? उन निर्देशों के माध्यम से पाठकों को क्या सीख दी गई है ?

Previously asked in: 2023 4/1/1 Q11 (क)

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3.1 समाज में बदलती संवेदनाएँ | 12.3.2 मानवीय करुणा | 12.4 कहानी का संदेश

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q6. **[5]**

> ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को काफ़ी कुछ बदल दिया है । वर्सोवा में आज जहाँ मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था । पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे । अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है । इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है । इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं । जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है । इनमें से दो कबूतरों ने मेरे फ्लैट के एक मचान में घोंसला बना लिया है । बच्चे अभी छोटे हैं । उनके खिलाने-पिलाने की जिम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की है । वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं । और क्यों न आएँ-जाएँ आखिर उनका भी घर है । लेकिन उनके आने-जाने से हमें परेशानी भी होती है । वे कभी किसी चीज को गिराकर तोड़ देते हैं । कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्ज़ा गालिब को सताने लगते हैं । इस रोज़-रोज़ की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है । उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है । खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रातभर खामोश और उदास बैठे रहते हैं ।

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) पहले वर्सोवा की क्या स्थिति थी ? [1]

A दूर तक सुनसान था ।
B समुद्र किनारे बस्ती थी ।
C आवागमन के साधन नहीं थे ।
D प्राकृतिक परिवेश था ।

(ii) 'इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया' – पंक्ति संकेत करती है – [1]

A बढ़ते शहरीकरण के दुष्परिणामों की ओर
B बढ़ते शहरीकरण से जीव-जंतुओं के बेघर होने की ओर
C जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आशियानों से चले जाने की ओर
D जीव-जंतुओं की प्रजातियाँ विलुप्त हो जाने की ओर

(iii) 'जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है' – पंक्ति में 'डेरा डालना' का आशय है – [1]

A स्थायी पड़ाव बनाना ।
B अस्थायी पड़ाव बनाना ।
C जबरदस्ती घर बनाना ।
D किसी भी प्रकार से रहना ।

(iv) कबूतर लेखक के घर क्यों आया-जाया करते थे ? [1]

A उस घर को अपना मानने के कारण
B वहाँ अपना घोंसला होने के कारण
C खिड़की खुली होने के कारण
D अपने बच्चों को खिलाने-पिलाने के लिए

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए : कथन : खिड़की के बाहर दोनों कबूतर रातभर खामोश और उदास बैठे रहते थे । कारण : उनका आशियाना छिन गया था । [1]

A कथन तथा कारण दोनों गलत हैं ।
B कारण सही है, किंतु कथन गलत है ।
C कथन सही है, लेकिन कारण उसकी गलत व्याख्या करता है ।
D कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है ।

Previously asked in: 2024 4/3/1 Q9

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3 सामाजिक संवेदना | 12.3.1 समाज में बदलती संवेदनाएँ | 12.3.2 मानवीय करुणा | वर्सोवा का बदलता परिवेश और जीव-जंतुओं का विस्थापन

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q7. **[5]**

ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को काफ़ी कुछ बदल दिया है। वर्सोवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था। पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है। इनमें से दो कबूतरों ने मेरे फ्लैट के एक मचान में घोंसला बना लिया है। बच्चे अभी छोटे हैं। उनके खिलाने-पिलाने की ज़िम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की है। वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं। और क्यों न आएँ-जाएँ आखिर उनका भी घर है। लेकिन उनके आने-जाने से हमें परेशानी भी होती है। वे कभी किसी चीज़ को गिराकर तोड़ देते हैं। कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्ज़ा गालिब को सताने लगते हैं। इस रोज़-रोज़ की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है। उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है। खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात-भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं।

निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर लिखिए : (5 × 1 = 5)

(I) लेखक पहले कहाँ रहता था और अब कहाँ रहने लगा है ? [1]

(A) बंबई (मुंबई)-ग्वालियर
(B) वर्सोवा – ग्वालियर
(C) बंबई – वर्सोवा
(D) ग्वालियर – बंबई

(II) लेखक जब वर्सोवा रहने आया तो वहाँ स्थिति कैसी थी ? [1]

(A) प्राकृतिक वातावरण समृद्ध था।
(B) आधुनिक सुविधाओं से भरपूर वातावरण था।
(C) हवा-पानी की पर्याप्त सुविधा थी।
(D) अड़ोस-पड़ोस बहुत अच्छा था।

(III) कबूतरों की उदासी का कारण था [1]

(A) वे अपने बच्चों को खाना नहीं दे पाते थे।
(B) घर में अंदर जाने के रास्ते बंद हो गए थे।
(C) बच्चे जाली के पीछे रह गए थे।
(D) बच्चे जाली से बाहर आना चाह रहे थे।

(IV) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए। दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए। कथन : लेखक की पत्नी ने कबूतरों के घोंसले का स्थान बदल दिया। कारण : वे घर के अंदर घुसकर टेबल-पुस्तकें आदि गंदी कर देते थे। [1]

(A) कथन सही है, किंतु कारण गलत है।
(B) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।
(C) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।
(D) कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या है।

(V) गद्यांश के आधार पर बढ़ते शहरीकरण का क्या दुष्परिणाम निकला ? [1]

(A) पर्यावरण दूषित हो गया।
(B) जीवन फ्लैटों में सिमट गया।
(C) जीव-जंतु घर से बेघर हो गए।
(D) समुद्र किनारे घनी आबादी बस गई।

Previously asked in: 2025 4/6/1 Q7

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3 सामाजिक संवेदना | 12.3.1 समाज में बदलती संवेदनाएँ | 12.3.2 मानवीय करुणा

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q8. **[5]**

> कई सालों से बड़े–बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेल कर उसकी ज़मीन को हथिया रहे थे । बेचारा समंदर लगातार सिमटता जा रहा था । पहले उसने अपनी फैली हुई टाँगें समेटीं, थोड़ा सिमटकर बैठ गया । फिर जगह कम पड़ी तो उकड़ूँ बैठ गया । फिर खड़ा हो गया... जब खड़े रहने की जगह कम पड़ी तो उसे गुस्सा आ गया । जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है । परंतु आता है तो रोकना मुश्किल हो जाता है, और यही हुआ, उसने एक रात अपनी लहरों पर दौड़ते हुए तीन जहाज़ों को उठाकर बच्चों की गेंद की तरह तीन दिशाओं में फेंक दिया । एक वर्ली के समंदर के किनारे पर आकर गिरा, दूसरा बांद्रा में कार्टर रोड के सामने औंधे मुँह और तीसरा गेट-वे-ऑफ इंडिया पर टूट-फूटकर सैलानियों का नज़ारा बना । बावजूद कोशिश, वे फिर से चलने-फिरने के काबिल नहीं हो सके ।

निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर लिखिए :

(I) मनुष्य ने समुद्र के साथ क्या किया ? [1]

(A) समुद्री ज़मीन पर कब्जा कर लिया ।
(B) समुद्री जीव-जंतुओं का विनाश किया ।
(C) समुद्र के सहारे व्यापार किया जाने लगा ।
(D) समुद्री जल को पीने लायक बनाया ।

(II) समुद्र की सहनशीलता ने कब जवाब दे दिया ? [1]

(A) जबरन समेटने पर
(B) मानव के दुरुपयोग पर
(C) अपना अस्तित्व ही खतरे में आने पर
(D) मानव द्वारा उसका पानी सुखाने पर

(III) कॉलम–1 और कॉलम–2 को सुमेलित करके सही विकल्प चुनिए : [1]

(A) (1-iii), (2-ii), (3-i)
(B) (1-ii), (2-iii), (3-i)
(C) (1-ii), (2-i), (3-iii)
(D) (1-iii), (2-i), (3-ii)

(IV) बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र की ज़मीन क्यों हथिया रहे हैं ? [1]

(A) अपनी बढ़ती स्वार्थपरता के कारण
(B) बढ़ती आबादी के लिए घर बनाने हेतु
(C) समुद्र किनारे की ज़मीन सस्ती होने के कारण
(D) सैलानियों के आकर्षण का केन्द्र होने के कारण

(V) कोशिश के बावजूद भी जहाज चलने-फिरने लायक क्यों नहीं हो सके ? [1]

(A) पुराने होने के कारण कल-पुर्जे नहीं मिल रहे थे ।
(B) उन्हें समुद्र में उतारना खतरनाक था ।
(C) उनकी मरम्मत नहीं हो पा रही थी ।
(D) उनकी स्थिति बहुत खराब हो गई थी ।

Previously asked in: 2025 4/5/1 Q7

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3.1 समाज में बदलती संवेदनाएँ | 12.3.2 मानवीय करुणा | 12.4 कहानी का संदेश

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q9. **[5]**

> दुनिया कैसे वजूद में आई? पहले क्या थी? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर दीजिए :

(i) धरती के बारे में क्या कहा गया है? [1]

A धरती मानव की है
B धरती का अस्तित्व पहले से है
C धरती सबकी साझी है
D धरती सहनशीला है

(ii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए : कथन : पहले धरती पर प्रत्येक जीव-जन्तु अपना अधिकार समझते और मिलजुलकर रहते। कारण : 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना में विश्वास रखते थे। [1]

A कथन और कारण दोनों गलत हैं।
B कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
C कथन गलत है किंतु कारण सही है।
D कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है।

(iii) संयुक्त परिवारों की वर्तमान में क्या स्थिति है? [1]

A एकल परिवारों में सिमटना
B स्वार्थ का हावी होना
C परस्पर मिलनसारिता
D सभी एक-दूसरे के सहायक

(iv) बढ़ती जनसंख्या का प्रभाव हुआ : [1]

A समुद्र को धकेलना शुरू हुआ
B सब अपने लिए स्थान खोजने लगे
C संसाधनों की खोज शुरू हुई
D लूट-पाट बढ़ने लगी

(v) कॉलम-1 और कॉलम-2 को सुमेलित करके सही उत्तर चुनिए : [1]

A 1-II, 2-I, 3-III
B 1-I, 2-III, 3-II
C 1-II, 2-III, 3-I
D 1-III, 2-I, 3-II

Previously asked in: 2025 4/4/1 Q7

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3.1 समाज में बदलती संवेदनाएँ | 12.3.2 मानवीय करुणा | 12.4 कहानी का संदेश

Q10. **[2]**

जीव-जंतुओं के प्रति व्यवहार में निदाफाज़ली की माँ और पत्नी के व्यवहार के अंतर 'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए।

Previously asked in: 2025 4/3/1 Q8 (घ)

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3.1 समाज में बदलती संवेदनाएँ | 12.3.2 मानवीय करुणा

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q11. **[2]**

'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ में लेखक की माँ के कौन-कौन-से विचार आपको आज के संदर्भ में उपयुक्त लगते हैं और क्यों ? स्पष्ट कीजिए ।

Previously asked in: 2026 4/3/1 Q8 (ii)

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3.1 समाज में बदलती संवेदनाएँ | 12.3.2 मानवीय करुणा | 12.4 कहानी का संदेश

Q12. **[3]**

निदा फ़ाज़ली अपनी माँ और पत्नी द्वारा जीव-जंतुओं के साथ किए जाने वाले व्यवहार के अंतर से क्या कहना चाहते हैं ? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के संदर्भ में लिखिए ।

Previously asked in: 2023 4/5/1 Q11 (ख)

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3.1 समाज में बदलती संवेदनाएँ | 12.3.2 मानवीय करुणा

Q13. **[3]**

'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ में लेखक की माँ उन्हें प्रकृति का ख्याल रखने के बारे में क्या-क्या बताती थीं ? इनके माध्यम से वह लेखक में किन जीवन-मूल्यों का विकास करना चाहती थी ?

Previously asked in: 2023 4/2/1 Q11 (क)

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3.1 समाज में बदलती संवेदनाएँ | 12.3.2 मानवीय करुणा | 12.4 कहानी का संदेश

Q14. **[3]**

'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ में महाकवि शेख अयाज़ की आत्मकथा से किस घटना को उद्धृत किया गया है ? उस घटना से आपको क्या सीख मिलती है ? अपने शब्दों में लिखिए ।

Previously asked in: 2024 4/5/1 Q11 (ग)

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3.1 समाज में बदलती संवेदनाएँ | 12.3.2 मानवीय करुणा | 12.4 कहानी का संदेश

Q15. **[3]**

'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के लेखक की माँ की तरह आपकी माँ भी आपको कुछ हिदायतें देती होंगी, उन्हें अपने शब्दों में लिखिए और बताइए कि आप पर क्या प्रभाव पड़ा ।

Previously asked in: 2024 4/4/1 Q11 (ग)

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3 सामाजिक संवेदना | 12.3.1 समाज में बदलती संवेदनाएँ | 12.3.2 मानवीय करुणा

Q16. **[2]**

'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ में लेखक ने मानवीय क्रियाकलापों और असंवेदनशीलता द्वारा पर्यावरण और प्रकृति को काफी नुकसान पहुँचने की बात की है ? क्या वर्तमान में इसे कम एवं नियंत्रित करना संभव है ? तर्कसम्मत उत्तर लिखिए ।

Previously asked in: 2026 4/5/1 Q8 (iii)

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3 सामाजिक संवेदना | 12.3.1 समाज में बदलती संवेदनाएँ | 12.3.2 मानवीय करुणा

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Q17. **[5]**

> पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है । यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं । पहले पूरा परिवार एक परिवार के समान था, अब टुकड़ों में बँटकर एक दूसरे से दूर हो चुका है । पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिलजुलकर रहते थे, अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है । बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है । बारूद की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया । अब गरमी में ज़्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, जलजले, सैलाब, तूफान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं । नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है । नेचर के गुस्से का एक नमूना कुछ साल पहले बंबई में देखने को मिला था और यह नमूना इतना डरावना था कि बंबई निवासी डरकर अपने-अपने पूजा-स्थल में अपने खुदाओं से प्रार्थना करने लगे थे ।

निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर देने का आशय है – [1]

(A) धरती पर ऊँची-ऊँची इमारतों का निर्माण
(B) धरती को देश की सीमाओं में बाँधना
(C) प्रकृति के अन्य जीवों और तत्त्वों से दूरी
(D) बुद्धि-बल से प्रकृति को नियंत्रित करना

(ii) बंबई निवासी ईश्वर से प्रार्थना क्यों करने लगे ? [1]

(A) ईश्वर की प्रार्थना करना उनका दैनिक कर्म था ।
(B) प्रार्थना करके वे अपने-अपने पूजा-स्थलों को बचा सकते थे ।
(C) वे अपने तरीके से अपने प्रार्थना की शक्ति परखना चाहते थे ।
(D) प्रकृति के कोप को देखकर उन्हें अपना अस्तित्व संकट में लगा ।

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए : कथन : मानव और प्रकृति के बीच बढ़ते असंतुलन का मुख्य कारण मानव की बढ़ती स्वार्थपरता है । कारण : बुद्धि के विकास ने ही मानव को अच्छे-बुरे का ज्ञान करवाया जिससे अंतत: पर्यावरण सकारात्मक रूप से प्रभावित हुआ । [1]

(A) कथन और कारण दोनों गलत हैं ।
(B) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है ।
(C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की गलत व्याख्या करता है ।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(iv) प्रकृति के असंतुलन का परिणाम नहीं है [1]

(A) मौसम चक्र में परिवर्तन
(B) विकास-दर में वृद्धि
(C) प्राकृतिक आपदाओं में बढ़ोतरी
(D) नए-नए रोगों की उत्पत्ति

(v) 'पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था' – का भाव है [1]

(A) पहले संसार परिवार की सीमाओं में नहीं बँटा था ।
(B) पहले संसार में अलग-अलग देश ही नहीं थे ।
(C) पहले लोग मानव और प्रकृति के संबंधों से अनजान थे ।
(D) पहले के लोग सह-अस्तित्व का सम्मान करते थे ।

Previously asked in: 2026 4/4/1 Q7

◆ फणीश्वरनाथ रेणु – अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले | 12.3.1 समाज में बदलती संवेदनाएँ | 12.3.2 मानवीय करुणा | 12.4 कहानी का संदेश

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories

Available for free from:
https://cbsegrade10studyguide.com
https://github.com/orgs/cbse-free-resources/repositories